बुनकरों की सुविधा के लिए वाराणसी परिक्षेत्र में खुलेंगे सात क्लस्टर

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव • जागरण

- अभी तक मात्र एक ही क्लस्टर है परिक्षेत्र में, नए क्लस्टर खुलने से स्थानीय स्तर पर मिलेंगी सुविधाएं
- वस्त्र मंत्रालय से एक जनवरी को मिली मंजूरी, मीरजापुर, चंदौली व वाराणसी में खुलेंगे ये नए क्लस्टर

यहां खुलेंगे नए क्लस्टर

• वाराणसी : डुबकिया (चिरईगांव), नियारडीह (चोलापुर), आदर्श नगर (गंगापुर) • चंदौली : मोहम्मदपुर मलोखर, सत पोखरी दुलहीपुर • मीरजापुर : मूसेपुर व गरौड़ी (अदलहाट)।

वाराणसी : हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग विभाग के वाराणसी परिक्षेत्र में पूर्वांचल के छह जिले आते हैं। पूरे परिक्षेत्र में अब तक मात्र एक ही क्लस्टर स्थापित था। बुनकरों की मांग को देखते हुए सात और क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। इसकी स्वीकृति वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली से एक जनवरी को मिल चुकी है। तीन क्लस्टर वाराणसी, दो चंदौली व दो मीरजापुर में खुलेंगे। इसमें बुनकरों को तमाम सुविधाएं मुफ्त में मिल सकेंगी।

बनारसी साड़ी पूरी दुनिया में अपनी पहचान रखती है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का नव्य-भव्य मंदिर बनने के बाद यहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु-सैलानी आ रहे हैं। इससे हाल के कुछ वर्षों में बनारसी साड़ी व वस्त्र की मांग बढ़ी है। हालांकि तमाम ग्राहक बनारसी साड़ी की आड़ में धोखा भी खा रहे हैं। कारण कि हैंडलूम (हथकरघा) को जगह बाजार में पावरलूम से तैयार बनारसी साड़ियों की भरमार अधिक है। आम ग्राहकों के लिए दोनों में अंतर समझ पाना संभव नहीं हो पाता। इस कारण हथकरघा उद्योग से जुड़े बुनकरों व हस्तशिल्पियों के उत्पाद की बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की पहल पर और क्लस्टर खोले जा रहे हैं। इन क्लस्टरों में उस क्षेत्र के बुनकरों को उनकी मांग अनुसार सुविधाएं मिलेंगी। एक डिजाइनर भी उपलब्ध होगा जो बाजार की मांग अनुसार डिजाइन व तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग का प्रदेश में 13 परिक्षेत्र है। वाराणसी परिक्षेत्र में वाराणसी के साथ मीरजापुर, चंदौली, भदोही, जौनपुर, सोनभद्र आदि जिले शामिल हैं।

नए क्लस्टर में बुनकरों को हथकरघा, जैक्वार्ड, एसेसरीज, लाइटिंग यूनिट, वर्कशेड आदि की सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। यह सेवा पंजीकृत बुनकरों के लिए मुफ्त में रहेगी। वे अपने-अपने क्षेत्र के क्लस्टर में जाकर इन सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। एक जनवरी को इस प्रस्ताव की मंत्रालय से स्वीकृति के बाद से कार्य तेज हो गया है। इसे लेकर बैठक भी हो चुकी है। परिक्षेत्र में अब आठ क्लस्टर हो जाएंगे।

-अरुण कुमार कुरील, सहायक आयुक्त, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, वाराणसी।